संक्षिप्त समाचार

शादी कराने के नाम पर डेढ़ लाख रुपये ठगे, न दुल्हन मिली न पैसा

अलीगढ़ , एजेंसी। थाना पाली मुकीमपुर के गांव पीढौल निवासी व्यक्ति से गांव सिंधौली खुर्द निवासी युवक ने शादी कराने के नाम पर डेढ़ लाख रुपये ठग लिए। गांव पीढौल निवासी हरपाल सिंह पुत्र नेकसेलाल ने बताया कि गांव सिंधौली खुर्द निवासी युवक ने उनकी शादी बिहार की एक युवती से कराने की बात कही थी। उन्होंने इस युवक को शादी के नाम पर 1.50 लाख रुपये दे दिए और शादी के लिए उसके साथ बिहार चले गए। शादी के बाद युवती करीब 20 किलोमीटर तक लोगों के साथ आई, जिसके बाद वहां के लोगों ने युवती को जबरन छुड़ा लिया। अब हरपाल अपने रुपये मांग रहे हैं, लेकिन आरोपी रुपये वापस नहीं कर रहा। वह जब रुपये मांगने उसके गांव जाते हैं तो आरोपी गाली-गलौज कर मारपीट पर आमादा हो जाता है।

आत्महत्या को मजबूर करने के मामले में पत्नी सहित चार नामजद, पुलिस जांच में जुटी

अलीगढ़ , एजेंसी। साढ़े चार माह पहले मेडिकल स्टोर संचालक ने आत्महत्या किए जाने के मामले में मृतक के पिता ने न्यायालय की शरण ली। 21 दिसंबर को मामले में पत्नी समेत सास-ससुर और साला के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज हो गई है। मृतक के पिता सोमवीर सिंह निवासी नगला मीरपुर ने बताया है कि उनका बेटा विपिन कुमार और कामिनी की शादी 2020 में हुई थी। इसके बाद दोनों के बीच आए दिन झगड़ा होता था। आरोप है कि उसका ससुरालियों से रुपये को लेकर विवाद था।

आरोप है कि एक अगस्त 2024 को कामिनी और उसके परिजन विपिन के पास आए और उसे पीटा। जिससे आहत होकर विपिन ने आत्महत्या कर ली। आरोप है कि नामजद घर में रखे लगभग 6 लाख रुपये की कीमत के जेवरात और नगदी भी निकालकर ले गए। पुलिस मुकदमा दर्ज कर जांच पड़ताल में जुटी है।

वाराणसी में लूट: बदमाशों ने पिता- पुत्र को मारी गोली, गहनों से भरा बैग लूट कर भागे

वाराणसी , एजेंसी। वाराणसी के भेलूपुर थाना क्षेत्र के कमच्छा तिराहे के समीप रविवार की अलसुबह कैंट स्टेशन से स्कूटी से घर जा रहे दीपक सोनी (46) और उनके बेटे आर्यन (18) को गोली मार कर कार सवार बदमाशों ने 130 ग्राम सोना लूट लिया। राहगीरों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनों को बीएचयू ट्रॉमा सेंटर भिजवाया है। आर्यन के बाएं पैर में और दीपक के पीठ में गोली लगी है। दोनों की हालत खतरे से बाहर बताई गई है।

यह है पूरा मामला

सूचना पाकर पुलिस आयुक्त मोहित अग्रवाल, डीसीपी काशी जोन एसीपी भेलूपुर, इंस्पेक्टर भेलूपुर, लंका थानाध्यक्ष मौके पर पहुंचे। इसके बाद ट्रॉमा सेंटर जाकर घायलों से घटना के बारे में पूछताछ किया। कार सवार बदमाशों की तलाश में सीसीटीवी फुटेज की मदद से क्राइम ब्रांच और भेलूपुर थाना की फोर्स जुटी है। कार सवार वापस रथयात्रा की तरफ से होकर भाग निकले हैं।

गुरुधाम कालोनी के राम-जानकी मंदिर के पीछे रहने वाले दीपक सोनी चौक क्षेत्र के गोविंदपुरा के रहने वाले एक आभूषण कारोबारी के यहां काम करते हैं। उनका काम मुंबई से आभूषण लाने और ले जाने का है। रविवार की सुबह 4:30 बजे के बाद वह महानगरी ट्रेन से कैंट स्टेशन पहुंचे। वहां अपने बेटे को फोन करके बुलाए थे।

स्टेशन से लौटते समय बदमाशों ने वारदात को दिया अंजाम

स्टेशन से घर लौटते समय कमच्छा तिराहा के समीप पहुंचने पर एक कार सवार ओवरटेक करके रोकने लगे। कार में 5 से 6 की संख्या में अपराधी मौजूद थे। स्कूटी नहीं रोकने पर कार सवार टक्कर मारकर पिता-पुत्र को गिरा दिए। इसके बाद कार सवार उतरकर दोनों की पिटाई करने लगे। दीपक गहनों से भरा बैग बचाने के लिए बदमाशों से भिड़ गए। बदमाशों ने उनके बेटे आर्यन को जबरन कार में बैठा लिया। बेटे को बचाने के लिए बदमाशों से भिड़ते हुए राहगीरों से गुहार लगाई। अपने को फंसता देखकर कार सवार दोनों के ऊपर फायरिंग करते हुए गहने लेकर निकल गए।

हरित क्षेत्र वृद्धि के मामले में छत्तीसगढ़ के बाद यूपी बना देश का दूसरा राज्य

लखनऊ , एजेंसी। यूपी के हरित क्षेत्र में 1.38 लाख हेक्टेयर की वृद्धि हुई है। हरित आवरण में वृद्धि में देश में छत्तीसगढ़ के बाद दूसरे नंबर पर उत्तर प्रदेश है। भारतीय वन सर्वेक्षण, देहरादून की रिपोर्ट के अनुसार, उत्तर प्रदेश का वनावरण व वृक्षावरण 23437.53 वर्ग किमी (9.73 प्रतिशत) से बड़कर 23996.72 वर्ग किमी (9.96 प्रतिशत) हो गया है। इसे पिछले 7-8 वर्षों में यूपी में बड़े पैमाने पर योगी सरकार के कराए पौधरोपण का नतीजा माना जा रहा है। भारतीय वन सर्वेक्षण (एफएसआई), देहरादून ने शनिवार को वन स्थिति रिपोर्ट आईएसएफआर-2023 जारी की। इस रिपोर्ट में कहा गया है कि उत्तर प्रदेश के वनावरण व वृक्षावरण में दो वर्ष में 559.19 वर्ग किमी यानी करीब 138179 एकड़ की वृद्धि हुई है। यह वृद्धि प्रदेश के भौगोलिक क्षेत्रफल की 0.23 प्रतिशत है। एफएसआई हर दो साल पर यह रिपोर्ट जारी करता है। यहां बता दें कि वर्ष 2015 से 2023 तक कुल 8 वर्षों में यूपी में जन सहभागिता से सघन पौधरोपण किया गया, जिसके चलते तीन लाख एकड़ से अधिक क्षेत्र में हरित आवरण की वृद्धि दर्ज की गई है।

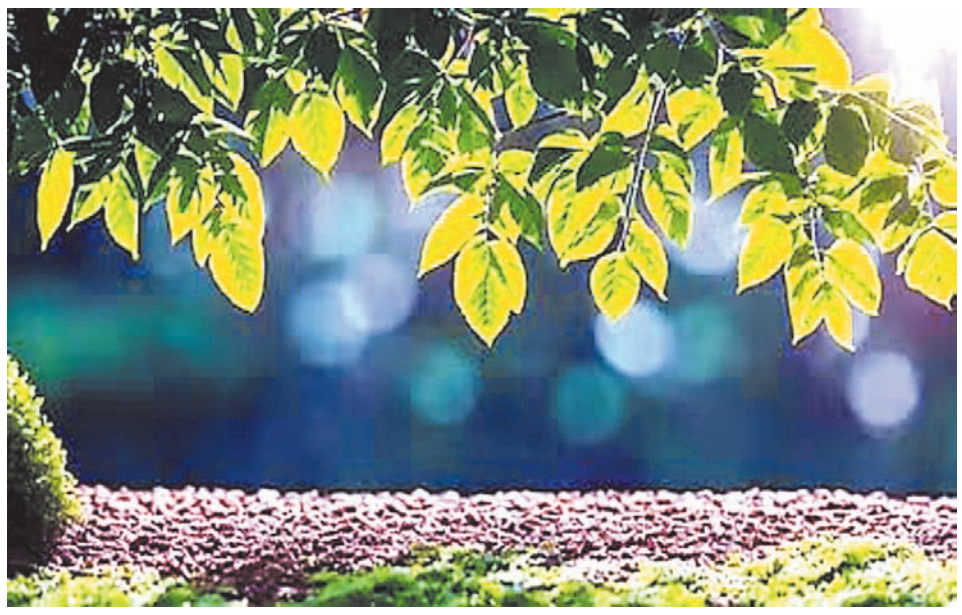

देश में हरित आवरण 25.17 प्रतिशत

रिपोर्ट के अनुसार, भारत का वन एवं वृक्षावरण 8,27,357 वर्ग किमी है, जो देश के भौगोलिक क्षेत्र का 25.17 प्रतिशत है। इसमें 7,15,343 वर्ग किमी यानी 21.76 प्रतिशत वनावरण (फॉरेस्ट कवर) और 1,12,014 वर्ग किमी यानी 3.41 प्रतिशत वृक्षावरण (ट्री कवर) है।

यूपी में जंगल और बाहर दोनों जगह बढ़े पेड़, कुल 9.96 प्रतिशत हुआ हरित आवरण

उत्तर प्रदेश का वनावरण 14927.37 वर्ग किमी (6.20 प्रतिशत) से बड़कर 15045.80 वर्ग किमी (6.24 प्रतिशत) हो गया है। उत्तर प्रदेश में वन क्षेत्र के बाहर वृक्षावरण 8510.16 वर्ग किमी (3.53 प्रतिशत) से बड़कर 8950.92 वर्ग कि0मी0 (3.72 प्रतिशत) हो गया है। इस तरह से का वनावरण व वृक्षावरण 23437.53 वर्ग किमी (9.73 प्रतिशत) से बड़कर 23996.72 वर्ग किमी (9.96 प्रतिशत) हो गया है।

बदायूं की फल मंडी में लगी भीषण आग, कई दुकानें जलकर राख, लाखों का नुकसान

बदायूं , एजेंसी। बदायूं की मंडी समिति में शनिवार की आधी रात फलों की दुकान में भीषण आग लग गई। आग इतनी भयंकर थी कि काफी दूर से भी आग की लपटें दिख रही थी। आग लगने से इलाके में दहशत फैल गई। सूचना पर दमकल की कई गाड़ियां मौके पर पहुंच गई। दमकल कर्मी कड़ी मशक्कत के बाद भी रविवार सुबह तक आग पर काबू नहीं पाया जा सका है। मंडी से धुएं का गुबार उठ रहा है। आग बुझाने के प्रयास जारी हैं। आग से करोड़ों रुपये का नुकसान होने का अनुमान है। शुक्रवार की रात करीब 2:00 बजे बिजली के तारों से निकली चिंगारी से आग लगने का कारण बताई जा रही है। सबसे पहले आग मंडी की एक फल की दुकान में लगी। देखते ही देखते कई दुकानों को आग ने अपनी चपेट में ले लिया। दो दुकानों में प्लास्टिक की खाली क्रेट थी जबकि दो दुकानों में क्रेट के साथ फल भरा हुआ था। आग लगने के कुछ देर बाद से ही दमकल कर्मी आग को बुझाने में जुट गए लेकिन रविवार सुबह 7:00 बजे तक भी आग धधक रही थी। कारोबारी अपनी जलती दुकानों को बेबस होकर देख रहे। उनके आंसू छलक आए।

कॉलेज-विवि के छात्रों को डिजिटल वॉरियर बनाएगी यूपी पुलिस, साइबर अपराध रोकने की डीजीपी ने की पहल

लखनऊ , एजेंसी। प्रदेश में फर्जी खबरें और साइबर अपराध रोकने के लिए पुलिस स्कूल-कॉलेजों व विवि के छात्रों और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स को डिजिटल वॉरियर बनाएगी। महाकुंभ 2025 के आयोजन को देखते हुए प्रयागराज में हुए डिजिटल वॉरियर के पायलट प्रयोग के अच्छे नतीजे सामने आने पर अब यह व्यवस्था पूरे प्रदेश में लागू करने की तैयारी है। डीजीपी प्रशांत कुमार ने इस संबंध में शनिवार को सभी विभागाध्यक्षों और कार्यालयाध्यक्षों को दिशा-निर्देश जारी किए हैं।

साइबर अपराधों पर अंकुश लगाने के लिए प्रदेश पुलिस ने वर्ष 2023 में व्हाट्सएप कम्युनिटी ग्रुप बनाए थे। इसमें समाज के सक्रिय विभिन्न वर्गों के लोगों को जोड़ा गया था। इस ग्रुप की सहायता से अब भ्रामक खबरों के खंडन के साथ पुलिस के अच्छे कार्यों को लोगों तक पहुंचाया जा रहा है। वर्तमान में करीब 10 लाख लोग डिजिटल वालंटियर्स के रूप में और 2 लाख पुलिसकर्मी कम्यूनिटी ग्रुप से जुड़े हैं। इन वालंटियर्स को गांव, मोहल्ले और स्थानीय कस्बों से जोड़ा गया है। इस पहल के अच्छे नतीजों को देखते हुए डीजीपी ने अब सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर्स और कॉलेज व विवि के छात्रों को यूपी पुलिस का डिजिटल वॉरियर बनाने का निर्णय लिया है।

ऐसे बनेंगे डिजिटल वॉरियर: निर्देश के मुताबिक साफ-सुथरी छवि वाले युवाओं को डिजिटल वॉरियर बनाया जाएगा। इसके लिए उन्हें एक फॉर्म भरना होगा। उन्हें प्रशिक्षित करने के लिए कार्यशालाओं का आयोजन होगा। सभी स्कूलों, कॉलेजों और विवि में साइबर क्लब बनाए जाएंगे। एक शिक्षक को इसका नोडल अधिकारी नामित किया जाएगा। डीजीपी मुख्यालय की ओर से उत्कृष्ट कार्य करने वाले डिजिटल वॉरियर को प्रोत्साहित व पुरस्कृत भी किया जाएगा ।

इन श्रेणियों में होगा चुनाव: फेक न्यूज के खंडन और साइबर अपराध के प्रति सचेत करने के लिए, साइबर अपराधों के प्रति जागरूकता के लिए, साइबर ट्रेनर और पुलिस के अभियानों व सराहनीय कार्यों के प्रचार-प्रसार के लिए डिजिटल वॉरियर का चुनाव होगा।

राम जन्मभूमि के मुख्य पुजारी को आजीवन मिलेगा वेतन, 1992 में मिलते थे 100 रुपये

आज इतनी है सैलरी

अयोध्या , एजेंसी। यूपी में अयोध्या स्थित रामजन्मभूमि में पिछले 34 सालों से मुख्य पुजारी का जिम्मा संभाल रहे आचार्य सत्येंद्र दास को आजीवन ट्रस्ट वेतन देता रहेगा। हालांकि सत्येंद्र दास की बढ़ती उम्र व खराब स्वास्थ्य के चलते राममंदिर ट्रस्ट ने उनसे कार्य से मुक्ति का निवेदन भी किया है। मुख्य पुजारी पहले की तरह जब भी चाहेंगे, उनके राममंदिर में आने-जाने व पूजा-अर्चना करने पर कोई रोक नहीं रहेगी।

पिछले 25 नवंबर को हुई रामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की बैठक में यह निर्णय हुआ कि राममंदिर में पिछले 34 सालों से सेवा दे रहे आचार्य सत्येंद्र से कार्य से मुक्ति का निवेदन किया जाए। सत्येंद्र दास 87 साल के हो गए हैं। उनका स्वास्थ्य भी अब अनुकूल नहीं रहता, इसलिए उनसे सेवा से मुक्ति का निवेदन किया जाना चाहिए। यह भी निर्णय हुआ कि अभी उन्हें जो पारिश्रमिक यानी वेतन दिया जा रहा है, वह वेतन आजीवन दिया जाएगा। इस पर ट्रस्ट के सभी पदाधिकारियों की सहमति भी मिल गई।

अब इतना मिल रहा वेतन: आचार्य सत्येंद्र दास 1 मार्च 1992 से राममंदिर में मुख्य अर्चक के रूप में सेवा दे रहे हैं। शुरुआत में उन्हें 100 रुपये प्रति माह वेतन दिया जाता था। रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के बाद उनका वेतन बढ़कर 38500 रुपये हो गया है।

कुल 14 पुजारी दे रहे सेवा: आचार्य सत्येंद्र दास को यही वेतन आजीवन दिया जाता रहेगा। इस समय राममंदिर में आचार्य सत्येंद्र दास सहित कुल 14 पुजारी सेवा दे रहे हैं। उनके साथ चार सहायक पुजारी भी लंबे समय से राममंदिर में कार्यरत हैं, जबकि नौ नए पुजारियों की नियुक्ति हाल ही में की गई है।

विध्वंस से लेकर सृजन तक के गवाह हैं सत्येंद्र दास: रामलला के मुख्य पुजारी आचार्य सत्येंद्र दास बाबरी विध्वंस से लेकर राममंदिर के निर्माण तक के साक्षी रहे हैं। रामलला की भव्य मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा भी उन्होंने अपनी आंखों से देखी है। आचार्य सत्येंद्र दास ने टेंट में रहे रामलला की 28 साल तक उपासना-पूजा की जिम्मेदारी संभाली। इसके बाद करीब चार साल तक अस्थायी मंदिर में विराजे रामलला की सेवा मुख्य पुजारी के रूप में की। रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के बाद से अभी तक वह मुख्य पुजारी के रूप में सेवा दे रहे हैं।

फिलहाल अभी मंदिर जाता हूं, कोई रोक नहीं है: मुख्य अर्चक आचार्य सत्येंद्र दास ने कहा कि राममंदिर के ट्रस्टी आश्रम पर आए थे। स्वास्थ्य व बढ़ती उम्र का हवाला देते हुए कार्य से मुक्ति का निवेदन किया है। कहा गया है कि जब इच्छा हो मंदिर जाएं, न हो तो न जाएं। ट्रस्ट ने यह भी कहा है कि जितना वेतन अभी मिलता है आजीवन देते रहेंगे। ट्रस्ट ने तो कार्यमुक्त कर ही दिया है, फिलहाल मैं अभी मंदिर जाता हूं, कोई रोक नहीं है।

आशा भर्ती मामला: डीसीपीएम ने जांच में कबूला

भूलवश बिना डीएम के अनुमोदन के हो गई भर्ती प्रक्रिया

प्रयागराज , एजेंसी। आशा भर्ती मामले में आरोपी डीसीपीएम (डिस्ट्रिक कम्युनिटी प्रोसेज मैनेजर) अशफाक अहमद ने जांच समिति के सामने दिए गए, बयान में इस बात को स्वीकार किया है, कि भूलवश बिना जिलाधिकारी के अनुमोदन के प्रयागराज के पूर्व एसीएमओ व वर्तमान में संभल के सीएमओ डॉ. तरुण पाठक के साथ 448 आशाओं की मनमानी नियुक्ति की गई थी। जिसके बाद पूरे स्वास्थ्य महकमे में हलचल पैदा हो गई है। हालांकि अभी इस मामले में जांच चल रही है।

2023 में बिना डीएम के अनुमोदन के आशा के 467 में 448 पदों पर नियुक्ति डीसीपीएम अशफाक अहमद और पूर्व एसीएमओ व नियुक्ति के नोडल डॉ. तरुण पाठक ने का दी थी।वहीं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर प्रमुख सचिव ने राष्ट्रीय स्वास्थ मिशन के अपर निदेशक धीरेंद्र सिंह को पत्र लिखकर जांच कराने को कहा, जिसपर प्रयागराज के जिलाधिकारी ने मामले की जांच शुरू करा दी है।

इसी कड़ी में बिना गाइडलाइन का पालन किए और जिलाधिकारी के बगैर

अनुमोदन के ही नियुक्त मामले में डीसीपीएम अशफाक ने जांच समिति को दिए गए अपने लिखित जवाब में कहा है, कि भूलवश तत्कालीन नोडल अधिकारी एसीएमओ ने आशा नियुक्ति के पहले जिला स्वास्थ्य समिति से यानी जिलाधिकारी से अनुमोदन नहीं लिया था। वहीं जल्द ही इस मामले में डॉ. तरूण पाठक से भी जवाब लिया जाएगा।

दरअसल ग्रामीण क्षेत्रों में पांच हजार की आबादी पर एक स्वास्थ्य उपकेंद्र होते हैं। इसमें एक हजार की आबादी पर एक आशा कार्यकर्ता का चयन होता है। चयन प्रक्रिया के लिए जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक में जिलाधिकारी से अनुमोदन लिया जाता है, लेकिन ऐसा नहीं किया गया। जिस गांव में चयन होना है, वहां खुली बैठक आयोजित होती है। बैठक में ग्राम प्रधान, एएनएम और सेक्रेटरी शामिल होते हैं, इसमें उसी गांव की अभ्यर्थी से आवेदन लिया जाता है। यह दोनों प्रक्रिया नहीं कराई गई। चयन कर तीनों आवेदन संबंधित सीएचसी के अधीक्षक व बीसीपीएम के पास भेजे गए। वहीं कीडगंज निवासी बलराम पांडेय की ओर से मुख्यमंत्री के यहां इसकी शिकायत की गई थी।

अज्ञात वाहन की टक्कर से बिजली कर्मी की मौत, परिवार में छाया मातम

अलीगढ़ , एजेंसी। गांव उस्मानपुर निवासी राजकुमार (35) पुत्र चंद्रपाल शर्मा गाजीपुर फीडर पर नौकरी करते हैं। शुक्रवार की शाम वह बाइक पर गाजीपुर बिजलीघर से घर लौट रहे थे। रास्ते में गांव हैवतपुर के पास अज्ञात वाहन उनकी बाइक में टक्कर मार दी। वह सड़क पर गिर पड़े। राहगीरों ने घायल हालत में उन्हें देख बिजलीघर पर सूचना। साथी बिजली कर्मियों ने परिजनों को सूचना देकर उन्हें अस्पताल ले गए। जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया है। परिजनों को ढांढस बधाना के लिए घर पर पूर्व जिपं सदस्य केपी मिस्त्री सहित अन्य लोग उनके घर पहुंचे। पालीमुकमपुर के गांव सेफपुर निवासी राकेश (38) पुत्र गजेंद्र सिंह गाजियाबाद में टेंपो चलाते हैं। शुक्रवार को वह रोज की तरह टेंपो चलाने के लिए निकले थे। शाम को गाजियाबाद में उनका टेंपो अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गया। हादसे में उनकी मौत हो गई। शनिवार को उनका शव गांव में पहुंचा तो मातम छा गया।

अपने शहर आकर भावुक हुए जावेद अख्तर, कहा- बिल्ली ओवन में बच्चे दे दे तो उसे बिस्किट नहीं कहते

लखनऊ एजेंसी। गजलें सुनना और उन्हें पढ़ना, दो अलग काम हैं। गजलों की तासीर समझनी है तो उसे सुनने की जगह, पढ़िए। गजल गायकों को सीरियसली न लें। इतना ही नहीं अच्छा लिखने से पहले खूब पढ़िए। आप जो लिखना चाहते हैं, उस क्षेत्र के महारथियों को पढ़िए। ऐसा पढ़िए कि जुबान पर चढ़ जाएं। लिखने की जल्दी न करिए।

लेखन को लेकर युवाओं को कुछ ऐसी ही टिप्स शनिवार को रेपर्टवा फेस्टिवल के माहौल लॉन में गीतकार जावेद अख्तर ने दी। उन्होंने रोशन अब्बास के साथ गुफ्तगू की। जावेद अख्तर ने लखनऊ से जुड़ी यादों से लेकर जिंदगी के कई पहलुओं को साझा किया। जावेद अख्तर ने कहाकि शादीशुदा जिंदगी के लिए इंटीरियर डेकोरेशन अग्निपरीक्षा सरीखा है। पर्दे के रंगों से लेकर दीवारों के कलर तक पर पति-पत्नी की राय एक सी नहीं होती। ऐसे में जो इस अग्निपरीक्षा से गुजर गया, उसकी शादी सफल मानो। उनकी इस बात पर श्रोता हंस पड़े।

उन्होंने अपनी बेटी जोया अख्तर के लिए लिखी दोराहा को पढ़कर सुनाया। साथ ही मजाज लखनवी व कैफी आजमी को दो अलग जेनरेशन

का बताया। उन्होंने माधुरी दीक्षित अभिनीत एक, दो, तीन... गीत लिखने के पीछे का किस्सा भी सुनाया। कहाकि बारामासा लोकगीत से प्रेरित है। इसमें बिरहन बताती है कि कैसे पति के बगैर एक साल बिताया। इसके अलावा उन्होंने रील्स के जमाने में कविताओं की अहमियत पर कहाकि यह अच्छा है। इंटरनेट के चलते आज कविताओं की पहुंच बढ़ गई है।

दुखों का न करें शोऑफ: गीतकार जावेद अख्तर ने कहाकि व्यक्ति को सफलता पर घमंड नहीं करना चाहिए, यह बात सब कहते हैं। पर, मैं कहता हूं कि दुखों पर भी घमंड नहीं करना चाहिए। व्यक्ति सफल होने के बाद दुखों का ऐसा शोऑफ करता है, जो शोभा नहीं देता। विफलता कोई मेडल नहीं है। ऐसे में इससे बचना चाहिए।

बच्चे आवाज हैं, गूंज नहीं...: बच्चे आवाज हैं, गूंज नहीं। जरूरी नहीं कि डॉक्टर का बेटा डॉक्टर और इंजीनियर का इंजीनियर बने। वे जो करना चाहें, करने दें। पर, ध्यान रहे। जो भी काम करें, वह उत्कृष्ट स्तर का होना चाहिए। जावेद अख्तर ने कहाकि मामूली की वैल्यू नहीं होती, एक्सीलेंस चाहिए। जूता पॉलिश करना हो या घास काटना...जब इन कामों की जरूरत हो तो लोग आपके दरवाजे पर खड़े होने चाहिए। वह काम करें, जिससे मोहब्बत हो। पैसा कमाने के लिए काम न करें। उन्होंने कहाकि क्रिएटिविटी बारीक काम है।

जावेद अख्तर ने बताया कि हुआ कुछ यूं कि मेरी मां ग्वालियर चली गई और मेरा जन्म भी वहीं हुआ। इस पर जब लोग पूछते कि मैं कहां का हूं तो खुद को लखनऊ का बताता। मैंने लखनऊ में एक लंबा अरसा गुजारा। कॉल्विन तालुकेदार से पढ़ाई की और लखनऊ को जीभरकर जिया। पर, अब लोगों को कौन समझाए कि बिल्ली ओवन में बच्चे दे दे तो उसे बिस्किट नहीं कहेंगे...।

इमरोज की पीठ पर अमृता लिखती थीं साहिर: रेपर्टवा के शब्द मंच पर लक्ष्य माहेश्वरी ने अमृता प्रीतम के जीवन के किस्से सुनाए, जिन्हें दर्शकों ने खूब पसंद किया। लक्ष्य माहेश्वरी ने बताया कि आजाद भारत का पहला लिवइन रिलेशनशिप अमृता व इमरोज का था। उन्होंने यह भी बताया कि जब स्कूटर पर अमृता इमरोज के साथ बैठती थीं तो इमरोज की पीठ पर अपनी उंगलियों से साहिर का नाम लिखा करती थीं। उनके बीच उत्कृष्ट स्तर का प्रेम था, जो दुनियावी चीजों से अलग था। लक्ष्य माहेश्वरी के किस्सों ने दर्शकों को अंत तक बांधे रखा।

फूलों की लाशों में ताजगी चाहता है...: राहगीर ने शब्द मंच पर ही अपनी गायकी से दर्शकों की तालियां बटोरीं। उन्होंने गिटार के साथ प्रस्तुतियां दीं। शुरुआत अभी पतझड़ नहीं आया, अभी से पत्ते झड़ गए... से शुरूआत की। इसके बाद भाई राहगीर ये हम कौन सी गाड़ी में चढ़ गए गीत सुनाया। इसके बाद श्रोताओं की मांग पर फूलों की लाशों में ताजगी चाहता है, आदमी चूतिया है, कुछ भी चाहता है...। राहगीर की गायकी दर्शकों के दिलों को छू गई।